सूचना पत्र–13

एच॰आई॰वी॰ संक्रमण का माँ से बच्चे को संचरण

कुछ तथ्य

- बच्चों में एच॰आई॰वी॰ प्रमुखत्तया माँ से संचरित होता है। एच॰आई॰वी॰ सक्रमित माँ से गर्भावस्था, प्रसव के दौरान एवम् स्तनपान के माध्यम से बच्चे को संचरण हो सकता है।

- अगर बच्चे को स्तनपान के साथ–साथ ऊपर का दूध भी पिलाया जाये तो संक्रमण तीन गुणा बढ़ जाता है। हमारे देश में ज्यादातर गर्भवती महिलाओं को अपनी एच॰आई॰वी॰ स्थिति का ज्ञान नहीं है। दूसरी तरफ, जन्म के बाद छः माह तक आते आते करीब 80 प्रतिशत शिशु मिश्रित दुग्धपान करते हैं। ऐसी स्थिति में एच॰आई॰वी॰ संक्रमित माँ द्वारा मिश्रित दुग्धपान से शिशुओं में एच॰आई॰वी॰ संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है।

- अगर माँ को स्तनशोथः या स्तन एवम् निप्पल का घाव हो तो स्तनपान से होने वाला एच॰आई॰वी॰ संक्रमण कई गुना बढ़ जाता है। माँ को होने वाली ये तकलीफें समुचित निर्देश एवम् सहायता से टाली जा सकती हैं।

- संयुक्त राष्ट्र संस्थाओं के अनुसार एच॰आई॰वी॰ संक्रमित माँ को दुग्धपान के बारे में स्वेच्छा से निर्णय लेने की स्वतंत्रता होनी चाहिये। दुग्धपान के सभी तरीकों के बारे में माँ को अद्यतन जानकारी मिलनी चाहिये। अगर माँ एवम् परिवार केवल ऊपर का दूध देना चाहें तो उन्हें AFASS बिन्दुओं का पालन करने में सक्षम होना चाहिये। अगर वो ऐसा ना कर पायें तो शिशु को पूर्णतया माँ का दूध देना चाहिये।

- **AFASS**

  A Acceptable – क्या परिवार एवम् समाज में पूर्णतया ऊपर के दूध को सामान्य तौर पर मान्यता प्राप्त है। इसे एच॰आई॰वी॰ संक्रमण के प्रमाण के तौर पर तो नहीं देखा जाता?

  F Feasible – क्या परिवार को पूर्णतया ऊपर का दूध देने की सही विधि मालूम है?

  A Affordable – क्या परिवार की आर्थिक स्थिति केवल ऊपर का दूध देने में सक्षम है?

  S Sustainable – क्या परिवार पूर्णतया ऊपर का दूध प्रथम छः माह तक दे पायेगा? मिश्रित दुग्धपान की स्थिति तो नहीं आयेगी?

  S Safe – क्या परिवार सुरक्षित तरीके से पूर्णतया ऊपर का दूध देने में सक्षम है?

संकलनः डॉ॰ जे॰पी॰ दाधीच

ब्रेस्टफीडिंग प्रमोशन नेटवर्क ऑफ इंडिया (बी॰पी॰एन॰आई॰)
बी॰पी॰–33, पीतमपुरा, दिल्ली–34
ईमेल– bpni.India@gmail.com